भारत निर्वाचन आयोग

निर्वाचन सदन, अशोक रोड, नई दिल्ली – **110001**

प्रेस नोट

सं. ईसीआई/प्रेस नोट/**11/2017** दिनांक: **24** जनवरी, 2017

भारत निर्वाचन आयोग ने 'युवा तथा भावी मतदाताओं के सशक्तिकरण सम्बन्धी कार्यनीतियों' पर अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार की मेजबानी की तथा आस्ट्रेलिया, बोस्निया-हर्जेगोविना, फिजी तथा नेपाल के साथ निर्वाचन सहयोग के समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किया।

25 जनवरी, 2017 को **27**वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर भारत निर्वाचन आयोग **(**ईसीआई**)** ने यूएनडीपी इण्डिया की साझेदारी में **24** जनवरी, 2017 को 'युवा एवं भावी मतदाताओं के सशक्तिकरण की कार्यनीतियों' पर एक अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार की मेजबानी की। सेमिनार के अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों में सात निर्वाचन प्रबंधन निकायों **(**ईएमबी**)** के अध्यक्ष/मुख्य निर्वाचन आयुक्त/आयुक्त तथा दस देशों एवं पांच अंतर्राष्ट्रीय संगठनों अर्थात् अफगानिस्तान, एसोशिएसन ऑफ वर्ल्ड इलेक्शन बॉडीज **(**ए-वेब**)**, आस्ट्रेलिया, भूटान, बोस्निया-हर्जेगोविना, फिजी, इंटरनेशनल फाउन्डेशन ऑफ इलेक्टोरल सिस्टम **(**आईएफईएस**)**, इंटरनेशल इंस्टीट्यूट फॉर डेमोक्रेसी एण्ड इलेक्टोरल असिस्टेंस **(**आईडीईए**)**, इंटरनेशनल सेन्टर फॉर पीस एण्ड डेमोक्रेसी **(**आईसीपीएस**)**, जॉर्डन, मलेशियन कॉमनवेल्थ स्टडीज सेन्टर, मालदीव, नेपाल, श्रीलंका तथा ट्यूनीशिया के वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे।

अपने आरम्भिक सम्बोधन में, भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त डॉ. नसीम जैदी ने भारत की समृद्ध लोकतांत्रिक परम्पराओं तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचनों की पवित्रता को बनाए रखने के भारत निर्वाचन आयोग के संकल्प को दोहराया। उन्होंने भारत निर्वाचन आयोग द्वारा की गई मुख्य पहल, जिनमें अग्रणी कार्यक्रम 'सुव्यवस्थित मतदाता शिक्षा एवं निर्वाचक सहभागिता **(**स्वीप**)** शामिल है, पर विशेष बल दिया जिनमें युवाओं के लिए जोर दिए जाने वाले कई क्षेत्र जैसे सोशल मीडिया, कैम्पस एम्बैसेडर तथा निर्वाचन प्रक्रिया से जोड़ने, पंजीकरण तथा मतपत्र प्रक्रिया में सक्रिय सहभागिता के लिए जागरूकता अभियानों में राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेवक शामिल हैं। उन्होंने प्रतिनिधियों को **15-17** वर्ष की आयु समूह

के भावी मतदाताओं पर विशेष बल दिए जाने के साथ स्कूली बच्चों के लिए इस वर्ष जनवरी में प्रारम्भ किए गए 'विद्यालय संवाद कार्यक्रम' के बारे में भी बताया।

अपने सम्बोधन में, निर्वाचन आयुक्त श्री ए.के. जोति ने कहा कि आयोग, इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि भारत में युवाओं की काफी बड़ी जनसंख्या है, युवाओं तथा भावी मतदाताओं पर ध्यान केन्द्रित किए जाने को उच्च प्राथमिकता देता है। निर्वाचकीय सहभागिता के कार्य से जोड़ने तथा इसे प्रोत्साहित करने लिए इस क्षेत्र में कार्यनीतिक निवेश का अर्थ भावी लोकतंत्र को सुरक्षित करना एवं सुदृढ करना है। इस सुसंगत समय पर अंतराष्ट्रीय सेमिनार के माध्यम से इस विषय पर वार्तालाप से इस क्षेत्र में मुद्दों तथा चुनौतियों का निराकरण करने के लिए नवोन्मेषी दृष्टिकोण विकसित करने में अंतर्राष्ट्रीय अनुभव, पद्धतियों, नीतियों तथा ज्ञान से लाभ प्राप्त करने का कहीं अधिक बड़ा अवसर प्राप्त होता है।

निर्वाचन आयुक्त श्री ओ.पी. रावत ने सेमिनार में कहा कि पूरे विश्व में, लोकतंत्रों ने प्रारम्भ से ही निर्वाचकीय सहभागिता के महत्व को स्वीकार किया है तथा विश्वस्त एवं नीतिपरक निर्वाचक सहभागिता के लिए युवा एवं भावी मतदाताओं को सशक्त बनाने हेतु अनुसंधान, नवोन्मेषी कार्यनीतियां, नई पहल, कार्यक्रम तथा पद्धतियों के रूप में निवेश किया है। पूरी तरह से तैयार किए गए कार्यनीतिक इन्टरवेंशन के माध्यम से युवा को शिक्षित करने, उन्हें जोड़ने एवं सशक्त बनाने पर केन्द्रित निवेश एक ऐसी जनसंख्या को तैयार करने में मदद करेगा जो जागरूक तथा नीतिपरक मतदान के बारे में निर्णय लेने के साथ-साथ विश्वस्त एवं सहज निर्वाचकीय सहभागिता के लिए सक्षम होगा।

सेमिनार में प्रतिनिधियों को सम्बोधित करते हुए, सुश्री मरीना वाल्टर, डिप्टी कन्ट्री डायरेक्टर, यूएनडीपी इण्डिया ने स्वंतत्र, निष्पक्ष तथा विश्वसनीय निर्वाचनों का संचालन किए जाने में भारत निर्वाचन आयोग के सफल रिकार्ड तथा यूएनडीपी का भारत निर्वाचन आयोग के साथ सतत भागीदारी को संदर्भित किया। उन्होंने युवाओं को, पंजीकरण तथा मतदान प्रक्रिया दोनों में शामिल किए जाने के महत्व के बारे में भी उल्लेख किया।

अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों में शामिल अफगानिस्तान, आस्ट्रेलिया, मालदीव, नेपाल, श्रीलंका, ट्यूनीशिया से निर्वाचन प्रबंधन निकायों के प्रमुखों तथा आईएफईएस के प्रमुख तथा ए-वेब के महासचिव ने अपने देश की प्रस्तुतियां दीं एवं अपने–अपने देशों में युवा मतदाताओं द्वारा मतदान प्रक्रिया में- निर्वाचन कार्य, पंजीकरण तथा सक्रिय सहभागिता पर लक्षित अपने अनुभवों, सर्वोत्तम पद्धतियों तथा पहल को साझा किया।

<u>समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए-</u> निर्वाचन प्रबंधन तथा प्रशासन के क्षेत्र में उनके सतत सहयोग के लिए संस्थागत संरचना स्थापित करने के उद्देश्य से, भारत निर्वाचन आयोग ने **24** जनवरी, 2017 को सेमिनार में निम्नलिखित निर्वाचन प्रबंधन निकायों के साथ समझौता ज्ञापन **(**एमओयू**)** पर हस्ताक्षर किए**:-**

(1) आस्ट्रेलियाई निर्वाचन आयोग
(2) केन्द्रीय निर्वाचन आयोग, बोस्निया- हर्जेगोविना
(3) फिजी निर्वाचन कार्यालय
(4) निर्वाचन आयोग, नेपाल

इन समझौता ज्ञापनों के मुख्य उद्देश्य हैं- निर्वाचकीय प्रक्रियाओं के प्रशासन को सुदृढ़ करने की दृष्टि से संगठनात्मक एवं तकनीकी विकास के क्षेत्र में ज्ञान एवं अनुभव के आदान-प्रदान को बढ़ाना; निर्वाचन प्रक्रियाओं तथा प्रणालियों के संबंध में सूचना, सामग्री, विशेषज्ञता तथा तकनीकी जानकारी का आदान-प्रदान करना; कार्मिकों को प्रशिक्षित करना तथा मानव संसाधनों का विकास करना, एवं संगठनात्मक विकास और क्षमता संवर्धन करना।

भारत निर्वाचन आयोग ने निर्वाचन प्रशासन तथा प्रबंधन में सहयोग हेतु अब तक दुनिया भर के बीस से अधिक निर्वाचन प्रबंधन निकायों एवं अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हुए हैं।

सेमिनार के समापन समारोह में भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त, डॉ. नसीम जैदी ने ई-जर्नल **वॉयस इंटरनेशनल** का शुभारंभ किया, जिसे त्रैमासिक रूप में प्रकाशित किया जाएगा तथा इसमें विश्व के विभिन्न भागों में निर्वाचनों से संबंधित प्रासंगिक फोटो, लेख, समाचार तथा कार्यक्रमों को शामिल किया जाएगा।

अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधिगण **25** जनवरी, 2017 को नई दिल्ली में राष्ट्रीय मतदाता दिवस समारोह में तथा **26** जनवरी, 2017 को गणंतत्र दिवस समारोह में भी भाग लेंगे।

(धीरेन्द्र ओझा)
निदेशक